खण्ड-9 संख्या-16

नवम् बिहार विधान-सभा

विधान सभा (वादवृत्त)

भाग-2, कार्यवाही प्रश्नोत्तर-रहित

शुक्रवार, तिथि 15 जुलाई, 1988 ई०

आस-पास के प्रखंडों में एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति बंद है। जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पीने का पानी तक नहीं मिल रहा है। छोटे-छोटे उद्योग बंद हैं। नियमित बिजली आपूर्ति अविलम्ब कराकर विद्युत संकट दूर किया जाए। ४ दिनों से छपरा में बिजली आपूर्ति बंद हो जाने से जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है।

श्री वृषिण पटेल : अध्यक्ष महोदय, हाजीपुर शहर में एक पम्प हाउस है और कई दिनों से पानी सप्लाई बंद है। सरकार कोई नोटिस नहीं ले रही है।

अध्यक्ष : जब आपके यहां पानी सप्लाई नहीं हो सका कठिनाइयों के कारण, तो सरकार ने इसको सुनी और मैं सोचता हूं कि सरकार उसपर विचार करेगी।

(ग) गया जिलान्तर्गत फल्गू नदी के कटाव से गांवों को खतरा :

श्री राजेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, गया जिलान्तर्गत बोधगया के ग्राम रतिबिगहा, हरिजनटोली वकरौर, हथियार, टीकाविगहा एवं उरैल गांव को फल्गू नदी के कटाव से खतरा उत्पन्न हो गया है। कटाव तेजी से हो रहा है जिसके चलते बोध गया शहर को भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

मैं मांग करता हूं कि शीघ्र सुरक्षा तटबंध निर्माण के लिए आदेश दें।

(घ) दरभंगा के आरक्षी अधीक्षक एवं उपविकास आयुक्त की कथित अन्यायपूर्ण कारवाई के संबंध में

श्री कलीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, दरभंगा शहर के अन्तर्गत

मिर्जा खाँ तालाब कब्रिस्तान में दफनाई हुई महिला की लाश 6 दिनों के बाद जिला प्रशासन के द्वारा उखाड़ करके फेंक दी गयी। एक समुदाय की भावना को आघात पहुंचा है। आरक्षी अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त की कार्रवाई अन्यायपूर्ण है।

मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

अध्यक्ष : आप वैठ जाइये। यह मामला वहुत सेंसेटीव है। सरकार इसपर ध्यान देगी।

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, लैंड ग्रेव तो हरिजनों का होता है। इनलोगों का लैंड ग्रेवर कौन होगा?

अध्यक्ष : लाश उखाड़ी गयी है। देख लेंगे।

(ङ) पूर्णिया जिला में बहने वाली परमान नदी की विनाशलीला एवं उससे राहत के संबंध में :

श्री तसलीमुद्दीन : अध्यक्ष महोदय, पूर्णियां जिला में बहनेवाली नदी परमान की विनाशलीला से हर वर्ष जोकहाट, अमौर, अररिया प्रखंड की चार लाख आवादी प्रभावित होती है। सैकड़ों एकड़ जमीन बंजर एवं बालू जमाव तथा लगी फसल बर्बाद होती है। इसके तट पर बसे ग्राम बेलवा, डुमरिया, झौआरी, दियारी, घोड़मारा, मोंगरा, मऊरिया, मजगामा, चिल्हनियां के लोग कटाव से विस्थापित होते हैं। गांवों को बचाने हेतु विगत 2 वर्ष पूर्व से 5 लाख की लकड़ी, साल-बल्ला, स्थल पर रखे हुए हैं। बागल नहीं बना रहे हैं। लकड़ी बर्बाद हो रही है। अभी भी गांव का कटाव जारी है।

अत: सरकार से मैं मांग करता हूं कि परमान नदी के दोनों किनारे